

| | | | |
|----|-----------------|----|--------------|
| 21 | ἴΝ ΑΙΝ[| 20 |]Ω . . . ΟΥΣ |
| 22 | ΠΡΟ . ΕΧΟΝ[| 21 |]ΕΙ ΣΩΦΡΟ |
| 23 | ΚΑΙ ΕΝΤΟΛ[| 22 |]ΤΟΝ ΠΑΡΕ |
| 24 | ΜΕΝΩΝ ΤΗ[| 23 |]ΩΝ ΕΡΓΩΝ |
| 25 | ΘΑΡ . ΤΟΙΣ[| 24 |]ΘΟΡΙΑΝ ΣΕ |
| 26 | ΜΕΝΟΙΣ ΚΑ[| 25 |] ΑΚΑΤΑΓΝΩ |
| | | 26 |]ΑΣ ΕΝΤΡΑ |

→

Stichometrie

| | | |
|----|--|----|
| 01 | γὰρ τὸν ἐπισκοποῦν ἀνεγκλήτῳ εἰ- | 27 |
| 02 | ναὶ ὡς [—] θὺ οἰκονομῶν μὴ αὐθαδῆ | 24 |
| 03 | μὴ ὀργίλῳ μὴ παροῖνον μὴ πλη- | 24 |
| 04 | κτὴν μὴ αἰσχροκερθῆ ^{1,8} ἀλλὰ φιλο- | 25 |
| 05 | ξενὸν φιλαγαθὸν σωφρονὰ δίκαιον | 28 |
| 06 | οἴον ἐγκρατῆ ⁹ ἀντεχομένον τοῦ | 26 |
| 07 | κατὰ τὴν διδασχὴν πιστοῦ λόγου | 25 |
| 08 | ἵνα δυνατὸς ἦ καὶ παρακαλεῖν ἐν | 26 |
| 09 | τῇ διδασκαλίᾳ τῇ υἰγιαίνουσῃ καὶ | 27 |
| 10 | τοὺς ἀντιλεγόντας ἐλεγχεῖν ¹⁰ εἰσὶν | 29 |